

भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE), देहरादून  
एवं  
भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता  
के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

दिनांक 15 फरवरी, 2021 को भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद (ICFRE), देहरादून (पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद) एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के मध्य वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए। इस समझौता ज्ञापन पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के महानिदेशक श्री अरुण सिंह रावत एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के निदेशक डॉ ए. ए. माओ द्वारा हस्ताक्षर किये गए।

भा.वा.अ.शि.प., देहरादून, देश भर में स्थित अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर वानिकी अनुसंधान, विस्तार, शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहा है। वर्तमान में भा.वा.अ.शि.प. विशेष रूप से जलवायु परिवर्तन, वन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के समकालीन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है।

समझौता ज्ञापन पर वानिकी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के आदान—प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यान्वयन के क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के उद्देश्यों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं।

इस सहयोग के माध्यम से भा.वा.अ.शि.प., देहरादून एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता अपनी वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञताओं को साझा करके एक दूसरे के पूरक होंगे। इससे तकनीकी अंतराल की पहचान करने, वन आधारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, हितधारकों को सूचना के प्रसार के लिए संसाधनों के आदान—प्रदान में मदद मिलेगी। यह आजीविका के अवसरों को बढ़ावा देने और वन आधारित समुदायों की आय बढ़ाने के साथ—साथ संसाधनों के उपयोग को अनुकूलित करने के लिए उद्योगों की सहायता करने में भी मदद करेगा। दोनों संगठनों से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और केंद्रों के बीच अंतर—संस्थागत लिंक सहयोग को और मजबूत करेंगे।

समझौता ज्ञापन से दोनों संगठनों के लिए शिक्षा, अनुसंधान और विकास में सहयोग मिलने की उम्मीद है और अंततः इसका लक्ष्य बेहतर आर्थिक और पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा।

इस अवसर पर भा.वा.अ.शि.प. के सभी उपमहानिदेशक, भा.वा.अ.शि.प के संस्थानों के सभी निदेशक, निदेशक (अंतर्राष्ट्रीय सहयोग), सभी सहायक महानिदेशक और वैज्ञानिक एवं भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, कोलकाता के क्षेत्रीय केंद्रों के प्रमुख एवं अन्य वैज्ञानिकों ने भाग लिया।



# Shah Times

16-2-2021

## भारतीय वानिकी अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद् व भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के मध्य हस्ताक्षरित समझौता ज्ञापन

देहरादून, संवाददाता। भारतीय वानिको अनुसंधान एवं शिक्षा परिषद्, देहरादून (पर्यावरण बन एवं जलवाया परिवर्तन मंत्रालय, भारत सरकार की एक स्वायत्त परिषद्) एवं भारतीय बनस्पति संविधान, कोलकाता के मध्य विभिन्नों कांगड़ेसंस्कृत के माध्यम से एक समझौता जापन पर हस्ताक्षय

मुझ पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। समझता जापन पर वानिकी अनुसंधान और प्रौद्योगिकी के आदान-प्रदान एवं संयुक्त अनुसंधान परियोजनाओं के कार्यालयन के लिए मैं सहवाग को बढ़ावा देने के देश्यों के साथ हस्ताक्षर किए गए हैं। इस सहयोग के माध्यम से भारा-अशि.प.

देशानन्द एवं भारीत वनस्पति संरचना, कौलकाता के वैज्ञानिक और तकनीकी विशेषज्ञाताओं को साझा करके एक दूसरे के प्रभुत्व होगे। इससे तकनीकी अंतराल की परवाना करने, बन आथारित प्रौद्योगिकियों के विस्तार, दृष्टिशास्त्रकों को स्वचन के प्रसार के लिए समाजनों के आदान-प्रदान में मदद मिलेगी। यह अर्जीवाका के अवकाशों को बढ़ावा देने और वन आथारित समाजादारों की आत्म वर्द्धने के साथ-साथ समाजनों के उपयोग को अनुबोधन करने के लिए उद्योगों की सहयोग करने में भी मदद करेगा।

दोनों संगठनों से संबंधित वैज्ञानिक अनुसंधान संस्थानों और केंद्रीय कैलेच अंतर्र-संस्थानीत लिंक सहयोग को और मजबूत करेंगे। समझौता जापान से दोनों संगठनों के लिए शाया, अनुसंधान और विकास में सहयोग मिलने की उम्मीद है और अंतें: इसका लक्ष्य बेहतर अधिकारी और परिवर्तित वैज्ञानिकों को बढ़ाव देना होगा।

किये गए। इस समझौता ज्ञापन पर भा.वा.अ.शि.प., देहरादून के महानिदेशक श्री अरुण सिंह रावत एवं भारतीय बनस्पति संवेदक्षण, कोलकाता के निदेक डॉ.ए.प. माओ द्वारा हस्ताक्षर किये गए।

भावा. अ.शि.प. , देहरादून, देश भर में स्थित हैं अपने संस्थानों और केंद्रों के माध्यम से राष्ट्रीय प्रवासियों अनुसंधान, वित्तार, शिक्षा का मार्गदर्शन, प्रचार और समन्वय कर रहा है। वर्तमान में भावा.अ.शि.प. विशेष रूप से जलवायी परिवर्तन, बन उत्पादकता, जैव विविधता और कौशल विकास के क्षेत्रों में गतिशील और अंतर्राष्ट्रीय महत्व के समकालीन

आर्थिक और पारिस्थितिक सुरक्षा को बढ़ावा देना होगा। इस अवसर पर भा.वा.अ.पि.प. के सभी उत्तमानिदेशक, भा.वा.अ.पि. के संसाधनों के सभी निदेशक, निवेदिक (अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन), सभी सहायता वाले महानिदेशक और वैज्ञानिक एवं भारतीय बनस्पति संवर्धन कोलाकारों के क्षेत्रीय केंद्रों के प्रभाव एवं अब वैज्ञानिकों ने भाग लिया।

100